ई–संस्करण, अंक 35

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

मैं भी कर सकती हूँ

दीपा अपने माता–पिता की एक अकेली लड़की है। वह बहुत बुद्धिमान और साहसी है। सदैव दूसरों की सहायता करना उसका स्वभाव है। एक रात जब वह सो रही थी तो अचानक एक आवाज़ सुनकर दीपा जाग गई। उसे लगा कि शायद चोर आया है। वह डरती हुई पिताजी के कमरे में गई और अपने पिताजी को जगाया और कहा पापा घर में शायद चोर है। पिताजी ने कहा – तुम्हें भ्रम हुआ है, अब जाओ और जाकर सो जाओ। यह कहकर दीपा के पिताजी सो गए।

दीपा ने थोड़ी देर में फिर आवाज़ सुनी। उसको पूरा विश्वास हो गया कि पक्का कोई तो है। उसने फिर अपने पिताजी को जगाया। तभी किसी के कदमों की आहट हुई। दोनों सावधान हो गए, उसकी माँ भी जाग गई। चोर कमरे की ओर बढ़ रहा था। तीनों ने चोर को सबक सिखाने की तैयारी कर ली थी। उन्होंने दरवाज़े की कुंडी पहले से ही खोल दी। पिताजी ने पास में रखा हुआ डंडा उठा लिया। चोर ने जैसे ही दरवाज़ा खोला, पिताजी ने डंडे से उस पर वार कर दिया। पर पिताजी का वार असफल हो गया। चोर के हाथ में एक चाकू था जिसे देखकर तीनों डर गए। चोर ने दीपा के पिताजी को चाकू दिखाकर धमकी दी और उनके गहने और पैसों के बारे में पूछने लगा।

दीपा समझ गई कि यह समय भयभीत होने का नहीं है यह समय तो साहस और बुद्धिमानी से काम लेने का है। उसके दिमाग में एक उपाय आया उसने चोर को सुनाते हुए कहा – पापा आप इसे पीछे वाले रूम में रखे धन के बारे में क्यों नहीं बता देते। पिताजी को दीपा की बात समझ में नहीं आ रही थी। वह चोर के सामने गिड़गिड़ाने लगे– हमारे पास सच में कोई धन नहीं है। चोर को क्रोध आ गया। वह चाकू दिखाकर धमकाने लगा।

तब दीपा ने अपने पिताजी को आँखों के इशारे से समझाते हुए कहा – मैं उस धन की बात कर रही हूँ जो घर के पीछे वाले कमरे में रखा है। जो हमने अपनी अलमारी में रखा था। दीपा ने चोर से कहा– चलो मैं तुम्हें वहाँ ले चलती हूँ। अब चोर खुश हो गया। वह खुशी–खुशी दीपा की बातें सुनता हुआ चल रहा था। जैसे ही चोर ने घर के पीछे वाले कमरे में पैर रखा दीपा ने उसे धक्का दिया और बाहर से कुंडी लगा दी। फिर क्या था, वह घर के बाहर निकलकर चोर –चोर का शोर मचाने लगी। आवाज़ सुनकर पड़ोस के लोग आ गए। एक पड़ोसी ने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस आई और चोर को गिरफ्तार करके ले गई। सभी दीपा की बुद्धिमानी और साहस की प्रशंसा करने लगे।

आपने दीपा की कहानी पढ़ी।

अब हमें यह बताइये कि दीपा की कहानी पढ़कर आपने क्या समझा? उसके कौन–कौन से गुण और कौशल को इस कहानी मैं बताया गया है? यह भी पता लगाइये की आपके कौन–कौन से गुण उससे मिलते हैं।

अपने किसी साहसिक कार्य के बारे में हमें ख़त लिखकर बताएं। हमें बहुत खुशी होगी।